साँवरे क्या कहना | By Mueksh Bagda

गोरे गोरे गाल तुम्हारे हैं घुंघराले बाल
सांवरे क्या कहना .....
गल बैजंती माल, चले तू तिरछी तिरछी चाल
सांवरे क्या कहना .....

अधरों पे मुरली सोहे भगतो के मन को मोहे
रूप तेरा सांवरे.....
तीखी अदाएं तेरी, तिरछी निगाहें तेरी
हम हुए बावरे.....
सोणा सा सिंगार श्याम तोहे निरखु बारम्बार
सांवरे क्या कहना .....

जादू चलाया तूने अपना बनाया तूने हम तेरे हो गए
सांवली सलोनी प्यारी चंचल छवि है न्यारी, चितवन में खो गए
तन मन दूँ मैं वार, कन्हैया लेऊँ नज़र उतार
सांवरे क्या कहना .....

फूलों का हार तेरा, हर्ष ये सिंगार तेरा मनवा लुभा गया
सांवरा दीदार तेरा, नशीला खुमार तेरा भगतो पे छा गया
भूले होश हवास ओ कान्हा आज तुम्हारे दास
सांवरे क्या कहना .....

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%b8%e0%a4%be%e0%a4%81%e0%a4%b5%e0%a4%b0%e0%a5%87-%e0%a4%95%e0%a5%8d%e0%a4%af%e0%a4%be-%e0%a4%95%e0%a4%b9%e0%a4%a8%e0%a4%be-by-mueksh-bagda/